Mirroring Life

सहज स्मृति योग

“ दूसरे को दिव्य मानें,और स्वयं को जानें वही ।
तत्त्वत: हम या तो हैं एक ही,या फिर हैं ही नहीं ।।”

Guruji Nandkishore Tiwari

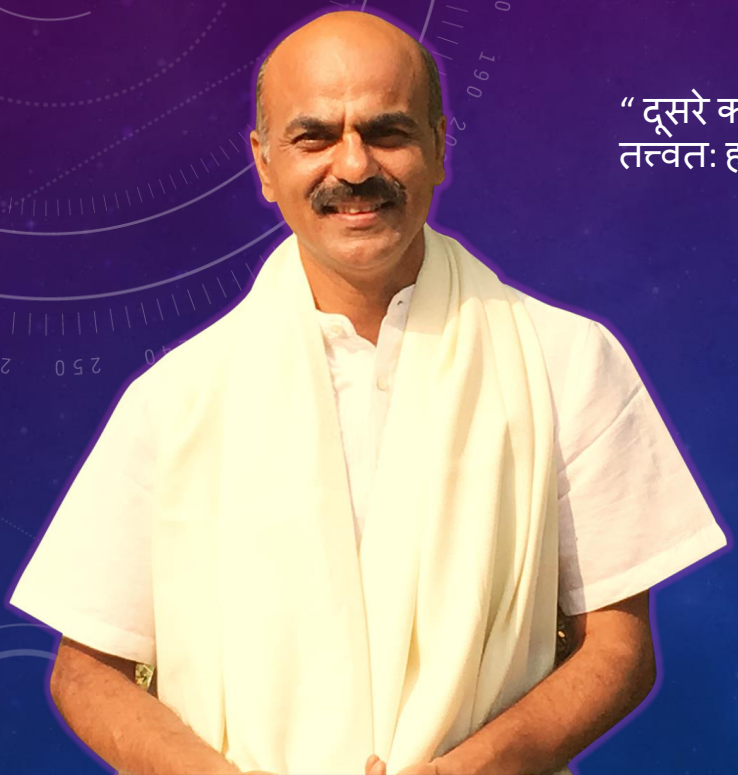

Darpan
FOUNDATION

सहज स्मृति योग

सहज स्मृति योग, वर्तमान युग में जीवात्मा के सहजता पूर्वक अपनी उसी मूल परम अवस्था के दर्शन व स्मरण को पुनः प्राप्त होने की सहजतम युक्ति से तय की जा सकने वाली जीवन यात्रा है, जो अवस्था शोक, मोह, संदेह, भ्रम के भाव में आकर अधिकांश जीवात्माएं विस्मृत कर चुकी हैं। विस्मृत अवस्था में जीवात्मा काल, कर्म और स्वभाव के आवरणों के पार परम योग की अवस्था में नहीं पहुँच पाती । अपनी मूल अवस्था से उनका यह वियोग, काल के प्रारम्भ से ही प्रारम्भ होकर चलता चला आ रहा है । विविध जन्मों में कर्म और स्वभाव का चयन प्रारब्ध बनता आ रहा है।

जो परिवर्तन स्वयं में,आदत में,जीवनचर्या में लाना चाहते हो उसके लिए २४ घंटे की अवधि को अपने स्वभाव में परिवर्तन लाने का मूल एकक समझो, जानो, मानो व करो। अपने संकल्प से और गुरुस्मरण के संबल से स्वयं के किए सत्संकल्प का तब तक पालन करो जब तक कि चित्त चिरंतन क्षण से एकाकार न हो जाए। और, जैसे ही यह घटना घटती है वैसे ही तत्क्षण,शांति विंधी हुई तुम्हारी आध्यात्मिक अवस्था में तुम्हारे स्वरूपाकार में चलने लगती है। और अपने शेष जीवनकाल में जीवात्मा अस्तित्व में और, अस्तित्व ऐसी जीवनमुक्तआत्मा में, त्रुटिविहीन निरंतरता से पोया जाता रहता है,जोकि दूसरों के जीवन में मोक्ष घटित होने का उदाहरण बनने की सम्भावना से भरा रहता है।

गुरुजी

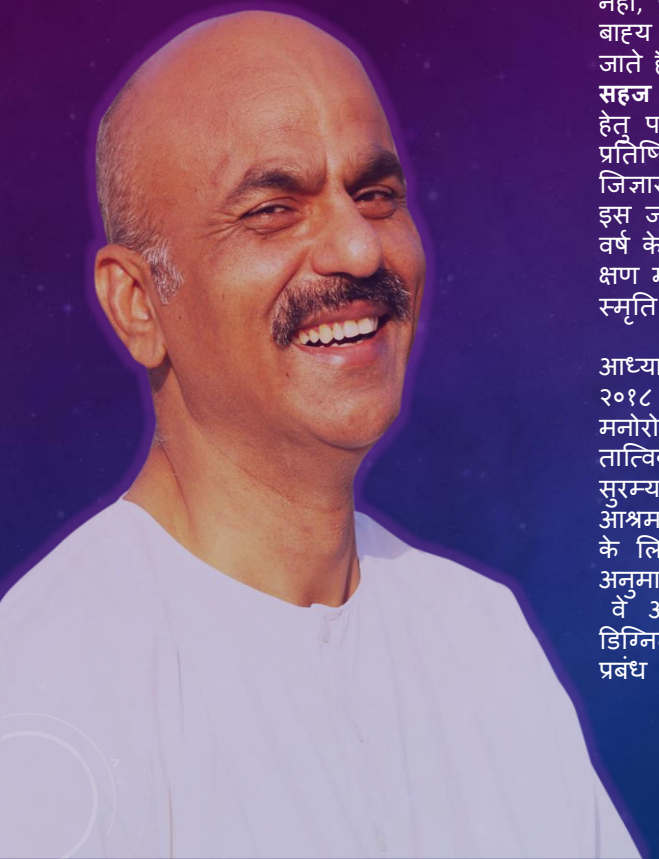

विलक्षण आध्यात्मिक रहस्यदर्शी गुरुजी नंदकिशोर तिवारी नैष्ठिक ग्रहस्थ हैं। उनकी विचक्षण सहजता विस्मित करती है। जिसे पहचानना आसान नहीं, पर सच्चे साधक सत्संग से सहज ही यह अनुभूति पाते हैं। और,जो बाह्य चमत्कारों में अध्यात्म ढूँढते हैं वे इसी परम सहजता से भ्रमित रह जाते हैं।

सहज स्मृति योग के माध्यम से सनातन स्वयंभू गुरु परंपरा की प्रतिष्ठा हेतु परम शिष्यत्व को समर्पित होने से पूर्व वे कवि,लेखक, पत्रकार और प्रतिष्ठित सम्पादक की भूमिका में रहे। स्वयंभू अध्यात्म उन्हें जन्मजात जिज्ञासा और समाधान के सतत योग के स्वरूप में मिला। लेकिन उनके इस जन्म में पहली रहस्य दर्शन की घटना तब घटी जब वे लगभग ढाई वर्ष के थे और वर्षों बाद अपने गुरु के साक्षात् दर्शन स्पर्श और मिलन के क्षण में वही पूर्ण हो गई। जन्म जन्मांतर की शुद्ध, सम्यक्,शाश्वत सहज स्मृति स्पष्ट पूर्णत: प्रकट हो गई।

आध्यात्मिक योगदान के लिए उन्हें प्रतिष्ठित आचार्य चाणक्य सम्मान २०१८ से विभूषित किया गया। इसी वर्ष बैंगलोर स्थित नीमहैन्स में मनोरोगियों की चिकित्सा में प्रयुक्त औषधियों में आध्यात्मिक दृष्टि से तात्विक पदार्थ के समावेश हेतु बतौर दार्शनिक नियुक्त किया गया है। सुरम्य वन क्षेत्र के निकट उरिगम ग्राम में उन्होंने सहज स्मृति योग आश्रम की स्थापना की,जो कि वर्तमान समय में प्रथ्वी के प्रत्येक मनुष्य के लिए शरीर, मन, स्वभाव व आत्मा के चतुर्विधिक परम विकास के अनुमानित नमूने का धरती पर सहज अनुकरणीय प्रत्यक्ष प्रमाण है। वे अखिल भारतीय सामाजिक संस्था यूनिवर्सल फ़ॉरम फ़ॉर ह्यूमन डिग्निटी (वर्ष-२००२) के संस्थापक अध्यक्ष व दर्पण फ़ाउंडेशन (ट्रस्ट) के प्रबंध न्यासी है।

Mirroring Life

Darpan

FOUNDATION

Regd. Office : F2, Phase 2, Meenakshi Residency, Arekere, Bannerghatta Road, Bengaluru – 76 | Contact: 9900-57-5360, 9886-67-7645